वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 185 | सोमवार 31 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आंगनबाड़ी कार्मियों ने भरी हुंकार: कहा...

सरकार घोषणा पत्र के वादे को भूली, जल्द मांगे नहीं मानने पर जयपुर कूच का ऐलान

जयपुर. कासं

शाहपुरा उपखंड के त्रिवेणी ग्राम स्थित गुर्जर धर्मशाला में रविवार शाम 4.30 बजे अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ के तत्वावधान में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों व शाहपुरा की नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों का साफा व माल्यार्पण कर सम्मान किया। अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ के संस्थापक और संरक्षक छोटीलाल बुनकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा घोषणा पत्र में किए गए नियमितीकरण के वादे को 4 वर्ष पूरे होने के बाद भी पूरा नहीं हो पाया,शीघ्र मांग पूरी नहीं होने पर लाखों की संख्या में जयपुर में एक विशाल सभा का आयोजन कर सरकार के समक्ष मांगे रखी जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.पूरणमल बुनकर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की सरकार अल्प वेतनभोगी कार्मिकों के साथ अन्याय कर रही है। सम्मान जनक वेतन और नियमितीकरण का रास्ता नहीं निकालकर बार-बार गुमराह कर रही है। आँगनबाड़ी कार्मिकों द्वारा केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करती हैं। कई दशकों से अल्प वेतन पर कार्य कर रही महिलाओं को जल्द नियमित किया जाना चाहिए।

सीएम गहलोत 1 नवंबर को 3 जिलों के दौरे पर

मानगढ़ धाम भी जाएंगे

जयपुर. कासं। गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चार दिवसीय गुजरात दौरे पर गए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 31 दोपहर 1:30 बजे गुजरात से जयपुर पहुंचेंगे जहां जयपुर में भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में पीसीसी की ओर से से निकाले जाने वाले पैदल मार्च में शामिल होने के बाद फिर से प्रदेश के 3 जिलों के दौरे पर रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 1 नवंबर को उदयपुर, बांसवाड़ा और अजमेर जिले का दौरा करेंगे। जहां सीएम गहलोत बांसवाड़ा में आदिवासियों के आस्था के केंद्र मानगढ़ धाम भी जाएंगे तो वहीं अजमेर में पुष्कर मेले का शुभारंभ भी करेंगे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 31 अक्टूबर की रात ही 8:30 बजे जयपुर से विशेष विमान से उदयपुर पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम उदयपुर में करेंगे। उसके बाद 1 नवंबर को सीएम गहलोत सुबह 9:30 बजे उदयपुर से बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की ओर से आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आदिवासी शहीदों की श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय कैबिनेट के कई सदस्य और भाजपा के कई नेता भी शामिल होंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोपहर 1:15 से दोपहर 2:45 तक उदयपुर सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

आर्टिस्ट सुमित ने तैयार किया 12 फुट उंचा अनूठा इस्टालेशन

जयपुर कला महोत्सव के दौरान 5 से 9 नवम्बर को जेकेके में लगेगा सुमित का इस्टालेशन

जयपुर. कासं

शहर के चर्चित कला महोत्सव ''जयपुर कला महोत्सव'' का छठा एडीशन भी इस बार कई आकर्षक कलाकृतियों और इन्स्टालेशन का गवाह बनेगा। महोत्सव के लिए जाने-माने चित्रकार और इन्स्टालेशन आर्टिस्ट सुमित सेन छह कुर्सियों और एक सीढ़ी को मिलाकर एक अनूठे इन्स्टालेशन 'चेयर्स एण्ड लैडर' का निर्माण किया है। सुमित ने इस इन्स्टालेशन के लिए छह कुर्सियां बनाई हैं और हर कुर्सी पर इंसान के जीवन में आने वाली एक कठिनाई को दिखाया है। सुमित ने बताया कि जब इंसान अपने जीवन में सफलता का परमसुख प्राप्त करने का प्रयास करता है तब उसकी राह में अनेक बधाएं आती हैं, उसे अपने ही लोगों की नकारात्मक प्रवृत्तियों का सामना करना पड़ता

है, कोई उसकी राह में कांटे बिछाता है, कोई उसे राह से ही हटाने की कोशिश करता है वहीं उसे अनेक पशु के समान प्रवृत्ति वाले लोगों से भी रूबरू होना पड़ता है पर जो इंसान इन सबका अपने बुद्धि कौशल से सामना करते हुए आगे बढ़ता तो एक दिन सफलता का परमसुख प्राप्त कर ही लेता है। इस इन्स्टालेशन में उन्होंने इन्हीं सब बातों को कलात्मक अंदाज में दर्शाया है।

कलाकारों को इन्स्टॉलेशन के लिए मिलेगी फ्री-स्पेस

फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के एचओडी रजत पंडेल और कला मेला संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि कला मेला में कोई भी कलाकार अपना कलात्मक इन्स्टॉलेशन लगा सकता है इसके लिए उसे नि:शुल्क स्पेस उपलब्ध करवाया जाएगा। इन्स्टॉलेशन की गुणवत्ता का चयन कला मेला समिति करेगी। जयपुर कला महोत्सव में इस बार भी देश के अनेक नामी कलाकारों ने आकर अपनी कला का प्रदर्शन करने की सहमति दी है। इन कलाकारों में शिलॉग से टोनी स्लॉग, एरिक्सन मजाओ, महाराष्ट्र से हीतेन्द्र गावड़े, आकाश जैन, आनन्द कुलकर्णी, परमेश पॉल आदि प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

अहिंसा सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टरकजी की नसिया में विराजे आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज के सानिध्य मे भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक के पश्चात सभी ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण द्वारा सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे आए मणीन्द्र जैन एवं महामहिम राज्यपाल महोदय, वेद प्रकाश वैदिक ,शैलेश तिवारी, फिरोज अहमद बख्त ने आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया , मंगलाचरण श्रीमति मणिन्द्र जैन ने किया व मंच संचालन चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने भट्टारकजी की नसिया पधार कर, पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण उत्सव के क्रम में अहिंसा रथ का लोकार्पण पूरे देश के लिए किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया अहिंसा सम्मेलन में धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य शैलेश तिवारी ने शंखनाद करते हुए कहा सनातन धर्म शांति का धर्म है इसमें विशेष महावीर स्वामी का जैन धर्म है ।बौद्ध धर्म ,जैन धर्म, हिंदू धर्म यह तीनों आपस में अभिन्न भाई हैं और सनातन के अभिन्न अंग हैं। और एक ही नदी की तीन धाराएं हैं। फिरोज बख्त अहमद ने कहा जैसे हमारे रोजे माने जाते हैं वैसे ही आप के दस रोजे होते हैं। कोई मुश्किल नहीं है हिंदू या मुसलमान जैन या बुद्ध होना, हां बड़ी बात है इस जहां में इंसान होना। वेद प्रकाश वैदिक ने कहा मेरे कई रिश्तेदार जैन हैं मैं उनसे यही कहता हूं कि तुमने पूर्व जन्म में ऐसे पुण्य कार्य किए होंगे जिससे तुमने जैन कुल को प्राप्त किया है। श्री लोकेश मुनि जी ने कहा मेरी जन्मभूमि राजस्थान रही है महामहिम महोदय को बधाई देते हुए कहा आपकी प्रतिज्ञा स्मरण संकल्प कराने की बात से यह असर होगा कि जब कोई श्वेतांबर साधु तेरापंथी स्थानकवासी संत दिगंबर आचार्य के समक्ष आएगा तो दिगंबर समाज मेउनका पूर्ण सम्मान करेंगे।

और कोई दिगंबर संत तेरापंथी स्थानकवासी आदि के पास जाएंगे तो सभी लोग उनका पूरा सम्मान करेंगे। जीवन जीने की कला तो हर धर्म सिखाता है पर मृत्यु की कला केवल जैन धर्म में सिखाई जाती है ।मैं आचार्य श्री से निवेदन करता हूं सिडनी के अंदर अहिंसा शांति केंद्र का निर्माण हो रहा है बहुत सारे कार्य होने बाकी हैं मैं आपसे आग्रह करता हूं अब दिल्ली पधारें और एक चातुर्मास वंहा करें। **आचार्य भगवंत उपदिष्ट हुए:** वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है, रविंद्र जैन ने अपने भजनों से धर्म की प्रभावना की है।

अस्त्र से ना शस्त्र से खुशहाल होगा यह चमन ,
थाम लो दामन अहिंसा का अगर चाहो अमन ।

अमन चाहते हो तो अहिंसा का दामन थाम ना होगा। महावीर स्वामी ने कहा हम सभी पांच इंद्रियों वाले हैं हमारी आंख कान नाक सब कुछ है हम सबसे पहले इंसान बने,बाद में हर तरह तरह के धर्म को जाने। मुनि कच्चे पानी पर पांव भी नहीं रखते हैं, दिगंबर साधु घास पर भी पांव नहीं रखते हैं ।वह भी जीव हैं,कीड़े-मकोड़े ना मर जाएं, लाइट का प्रयोग भी नहीं करते हैं महावीर स्वामी का जीवन अनुपम था हमारा सौभाग्य है हम उनकी तरह का जीवन जीने की चेष्टा कर रहे हैं महावीर स्वामी के विचार सब जगह पहुंचे और हम किसी का मन नहीं दुखाना चाहेंगे। हम सिर्फ इतना चाहेंगे कि सबके हृदय में अमन शांति और सदाचार की प्रभावना हो। मानवता के नाम पर स्त्रियों को गर्भपात की अनुमति प्रदान करना बहुत बड़ा कलंक है भारत देश के नाम पर स्त्रियों को तो अधिकार दिया पर गर्भ में पलने वाले बच्चे को भूल गए उसका अधिकार कहां चला गया ।हमारा देश राम और सीता का देश है वनवास में 14 वर्ष तक रहकर ब्रह्मचर्य का जिन्होंने पालन किया यह बहुत बड़ा आदर्श है महावीर स्वामी ने राजपुत्र होकर भी सत्ता को स्वीकार नहीं किया ।तप के रास्ते पर चल पड़े इस मुद्रा में बरसों रहे और केवल ज्ञान पाया तथा सिद्धत्व को प्राप्त किया। महामहिम महोदय ने कहा आचार्य श्री ने जिन शब्दों का प्रयोग किया वे शब्द हमारे लिए मंत्रों के रूप में कार्य करेंगे। मुझे आज महावीर निर्वाण उत्सव पर यहां आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है भगवान महावीर के संदेश से पूरे विश्व में अमन और शांति कायम हो सकती है।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के 53वें अवतरण दिवस पर पदमपुरा में तीन दिवसीय आयोजन

सोमवार को होगा श्री पद्म प्रभ शांति विधान। मंगलवार को होगा दिव्यांग जनों को ट्राई साईकिल वितरण एवं चातुर्मास मंगल कलश वितरण

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

त्योहार आता है तो पुरानी नीरसता दूर हो जाती है। धर्म प्रभावना बढ़ाने में योगदान देना हर श्रावक का कर्तव्य होना चाहिए। जिन धर्म की प्रभावना करते रहना चाहिए ।मन को नया करने के लिए संस्थाओं का वर्ष में एक अधिवेशन जरुरी है ।आज 14वां अधिवेशन बनाया हुआ नया त्यौहार है ।ये उदगार पदमपुरा में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने अपने प्रवचन में व्यक्त किए। भारत गौरव, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का 53 वां अवतरण दिवस (जन्म जयंती) समारोह श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में धूमधाम से मनाया गया ।इस मौके पर माताजी का पिच्छिका परिवर्तन भी हुआ। माताजी को सोगानी परिवार जापान वालों द्वारा नई पिच्छिका भेट की गई। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा प्रबंधकारिणी कमेटी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास व्यवस्था समिति के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से जैन धर्मावलंबी बड़ी संख्या में शामिल हुए। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बताया कि दोपहर 12.15 बजे से माताजी का 53 वां अवतरण दिवस मनाया गया। इस मौके पर चातुर्मास निष्ठापन तथा पिच्छिका परिवर्तन भी हुआ। समारोह के अन्तर्गत स्वस्ति मंगल कलश का लक्की ड्रा निकाला गया। आयोजन में चित्र अनावरण शांति कुमार ममता सोगानी जापान वालों ने किया। दीप प्रज्जवलन श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जहाजपुर स्वस्ति धाम के अध्यक्ष विनोद जैन टोरडी ने किया। मंगलाचरण ब्रह. अनिल जैन शास्त्री ने किया। मूल वेदी में स्थापित मुख्य कलश का पुण्यार्जन कैलाश चन्द माणक ठोलिया रमेश ठोलिया परिवार को मिला। माताजी का पाद पक्षालन विकास-अंजना काला ने किया। नेमीचंद छाबड़ा ने शास्त्र भेंट किया गया। भूपेन्द्र-रेखा हूमड़, कैलाश चन्द माणक ठोलिया रमेश ठोलिया एवं विमल, विकास यात्रा ने वस्त्र भेंट किए। इस मौके पर माताजी द्वारा रचित तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। क्षुल्लक परिणाम सागर, क्षुल्लिका सर्वेन्द्रमति माताजी, संस्कृति भूषण माताजी, क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी को भी नवीन पिच्छिका भेट की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम, ब्रह.प्रियंका दीदी,ब्रह.शालू दीदी,कमल बाबू जैन, सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी, विनोद जैन टोरडी ने विनयांजलि प्रस्तुत की। गुणानुवाद के बाद माताजी के मंगल प्रवचन हुए। इस मौके पर भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिखर चन्द पहाड़ियां, जस्टिस एन के जैन, हंसमुख गांधी, एडवोकेट सुधीर जैन, एडवोकेट हेमन्त सोगानी, महेश काला, अशोक जैन नेता,कमल बाबू जैन, सुरेन्द्र पाण्डया, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, सुरेश काला, सुबोध चांदवाड, दीपक बिलाला, विवेक सेठी,विनय सोगानी, राजीव जैन गाजियाबाद, शिखर चन्द कासलीवाल, पुष्पा सोगानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी जन उपस्थित थे। इससे पूर्व प्रातः 8.30 बजे से शुभकामना परिवार का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। जिसमें चित्र अनावरण गोविन्द -राज देवी जैन द्वारा किया गया। मंगलाचरण ब्रह.अनिल जैन शास्त्री एवं पदमपुरा महिला मण्डल द्वारा किया गया। शुभकामना परिवार केकड़ी द्वारा नाटिका की प्रस्तुति दी गई। माताजी ने मंगल प्रवचन में शुभकामना परिवार को आशीर्वाद दिया। वित्त मंत्री अजय बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर महानगर सहित,कोटा,केकड़ी, जहाजपुर, निवाई, टौंक, भीलवाड़ा, झालावाड़, दिल्ली, चाकसू, कोटखावदा, चंदलाई, निमोडिया, शिवदासपुरा ,रुपाहेडी, काशीपुरा, मुरैना आदि स्थानों से श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। मंच संचालन चेतन जैन निमोडिया एवं भानू जैन जहाजपुर ने किया। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सोमवार,31 अक्टूबर को माताजी द्वारा रचित श्री पद्मप्रभ शान्ति विधान का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। संयुक्त मंत्री दीपक बिलाला एवं वित्तमंत्री माणक ठोलिया के अनुसार मंगलवार,01 नवम्बर को प्रातः गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगो को ट्राई साईकिल वितरण किया जाएगा। तत्पश्चात चातुर्मास मंगल कलशों का पुण्यार्जक परिवारों को वितरण किया जायेगा। अन्त में सम्मान समारोह के बाद तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा।

वेद ज्ञान

मानसिक शांति और सुख

जब किसी व्यक्ति का दुर्घटना में चेहरा विकृत हो जाता है, उसे गहरी चोट लग जाती है या अंदरूनी बीमारी शरीर में घर कर जाती है तो उसकी सर्जरी करके उसे एक नया रूप व जीवन दिया जाता है ताकि वह पहले जैसा स्वस्थ और सुंदर दिखने लगे। होता भी ऐसा ही है। इसी तरह सर्जरी हमारे मन की भी होती है। शारीरिक सर्जरी जहां डॉक्टर करते हैं, वहीं मानसिक सर्जरी मनोचिकित्सक के साथ-साथ व्यक्ति स्वयं कर सकता है। लेखक मैक्सवेल मॉल्ट्ज ने प्रसिद्ध पुस्तक 'साइको साइबरनेटिक्स' में लिखा है कि 'पुराने भावनात्मक निशानों को हटाने वाला ऑपरेशन केवल आप ही कर सकते हैं। आपको स्वयं अपना प्लास्टिक सर्जन बनना होगा। परिणाम होगा-नया जीवन, नई स्फूर्ति, नई मानसिक शांति और सुख। भावनात्मक निशानों या मन की चोटों का इलाज दवाओं या डॉक्टर के माध्यम से नहीं किया जा सकता। ऐसे मानसिक घावों को व्यक्ति को पूरी तरह से काटकर बाहर निकालने का प्रयास करना होगा। जिस तरह सर्जरी के लिए उपकरणों की आवश्यकता होती है, उसी तरह मानसिक सर्जरी के लिए भी क्षमा, आत्मसम्मान, ईमानदारी, करुणा, प्रेम और आत्मविश्वास जैसे उपकरणों क ी आवश्यकता पड़ती है। खुशी की बात यह है कि ये उपकरण हर व्यक्ति के पास हैं, बस वे इनका इस्तेमाल करने में कभी-कभी देर कर देते हैं, जिससे मन का घाव बढ़ता जाता है। कई लोगों को तो मानसिक चोट मृत्यु के मुंह में पहुंचा देती है। यदि शारीरिक बीमारी का इलाज समय पर न किया जाए तो व्यक्ति अपंग हो जाता है और कई बार तो असमय ही मृत्यु का ग्रास भी बन जाता है। उसी तरह यदि मन में बैठे अवसाद के लिए मानसिक सर्जरी न की जाए तो व्यक्ति मानसिक रूप से पागल हो जाता है और कई बार मानसिक पीड़ा इतनी अधिक बढ़ जाती है कि इसके कारण व्यक्ति की हालत मौत से भी बदतर हो जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस तरह शरीर की सर्जरी करने के लिए एक कुशल डॉक्टर की आवश्यकता होती है, उस तरह मानसिक सर्जरी करने के लिए किसी कुशल डॉक्टर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

संपादकीय

कमाई के लिहाज से भी एक अहम खेल

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की जो जगह बन चुकी है, उसमें इसे बाजार और कमाई के लिहाज से भी एक अहम खेल के तौर पर देखा जाता है। मगर हैरानी की बात है कि इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की फीस के मसले पर बराबरी नहीं थी। हालांकि लंबे समय से यह सवाल उठाया जाता रहा था कि इस खेल में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को कम मेहनताना दिए जाने का आधार क्या है! क्या इसके पीछे महिलाओं को कम करके आंकने का भाव नहीं पता चलता है? क्या उनके खिलाफ यह प्रत्यक्ष भेदभाव नहीं है? इस सवाल का कोई उचित जवाब यही हो सकता था कि इस दिशा में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच हर स्तर पर बराबरी लाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने फिलहाल शुल्क के मामले में गैरबराबरी को खत्म करने के लिए एक बड़े कदम की घोषणा की है। बोर्ड की ओर से गुरुवार को कहा गया कि हम अपनी अनुबंधित बीसीसीआइ महिला क्रिकेटरों के लिए वेतन समानता की नीति लागू कर रहे हैं; पुरुष और महिला क्रिकेटरों, दोनों के लिए मैचों की फीस समान होगी, क्योंकि हम भारतीय क्रिकेट में लैंगिक समानता के नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। यह भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक बड़ा और सकारात्मक कदम है, हालांकि ऐसा बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यह अपने आप में विचित्र व्यवस्था थी कि हर स्तर पर एक ही तरह से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच शुल्क के निर्धारण में भेदभाव की व्यवस्था का आधार महिला और पुरुष होना हो। एक पुरुष खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच के लिए पंद्रह लाख रुपए, एकदिवसीय के लिए छह लाख और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए तीन लाख रुपए फीस के तौर पर मिलते हैं। मगर भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए यही राशि टेस्ट मैच में चार लाख और एकदिवसीय या टी-20 में महज एक लाख रुपए था। बेशक अब नया फैसला लागू होने के बाद अनुबंधित महिला टीम के खिलाड़ियों को भी पुरुष खिलाड़ियों के बराबर फीस मिलेगी, मगर यह व्यवस्था फिलहाल सिर्फ प्रति मैच के मामले में लागू होगा। सालाना अनुबंध की राशि अब भी पहले से निर्धारित रकम के मुताबिक ही मिलेगी। जाहिर है, फीस में यह समानता अभी पुरुष और महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के बीच बराबरी की व्यवस्था को लागू करने की ओर बढ़े शुरूआती कदम हैं। यह समझना मुश्किल है कि महिला क्रिकेटरों के प्रति भेदभाव के पीछे क्या वजहें रहीं! भेदभाव की यह व्यवस्था आमतौर पर सभी खेलों और दुनिया भर में रही है। एक दलील यह दी जाती है कि महिला क्रिकेट के दर्शकों की संख्या चूंकि कम होती है, इसलिए इसका असर उनके मेहनताने पर भी पड़ता है। लेकिन जब एक खेल का समूचा ढांचा पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए एक ही है, तो उसमें महिला क्रिकेट के आयोजन को लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी किसकी है? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेलगाम पर लगाम

राजनेता अक्सर चुनावी उन्माद में भूल जाते हैं कि सार्वजनिक मंचों से क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं बोलना चाहिए। पिछले कुछ दशक से जब धर्म को राजनीति से जोड़ कर जनाधार बनाने का प्रयास तेज हुआ है, तबसे ऐसे बयानों की बाढ़-सी आ गई है, जिसमें सामाजिक ताने-बाने का खयाल भी भुला दिया जाता है। ऐसे बयानों को लेकर पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने खासी नाराजगी जाहिर की और राजनेताओं को उनकी लोकतांत्रिक मर्यादा याद दिलाई थी। दरअसल, राजनेता इसलिए किसी धर्म, जाति, समुदाय के खिलाफ और प्रतिपक्षी पर तीखी व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से गुरेज नहीं करते कि उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो पाती। मगर अब शायद राजनेताओं को समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के मामले से कुछ सबक मिले। आजम खां को भड़काऊ और नफरती भाषण देने की वजह से दोषी करार दिया गया। उन्हें पच्चीस हजार रुपए का जुमार्ना और तीन साल कैद की सजा सुनाई गई है। इससे समाजवादी पार्टी की राजनीतिक पकड़ और आजम खां के भविष्य पर क्या असर पड़ेगा, वह अलग बात है, मगर महत्त्वपूर्ण यह है कि इस फैसले से राजनेताओं के आपत्तिजनक और अलोकतांत्रिक बयानों पर अंकुश लगाने की नजीर बनी है। राजनीति में प्रतिद्वंद्वी पर कटाक्ष करना, उसकी कमियों को सामने लाना और तीखे प्रहार करना गलत नहीं माना जाता। बल्कि विपक्षी दलों से तो यह अपेक्षा की जाती है कि वे सत्तापक्ष की गलत नीतियों, फैसलों और कामकाज के अनुचित तरीकों के खिलाफ आवाज उठाएं। मगर इसकी भी एक मयार्दा होती है। शालीन भाषा में भी गलत बातों का प्रतिकार किया जा सकता है, सत्ता की नीतियों का विरोध किया जा सकता है, बल्कि यही लोकतांत्रिक तरीका होता है। मगर कुछ राजनीतिक दल मान बैठे हैं कि सत्ता पक्ष या अपने प्रतिपक्षी के खिलाफ वे जितनी कड़वी भाषा का इस्तेमाल करेंगे, जितना वे उसके नेताओं पर व्यक्तिगत हमले करेंगे, उतना ही उनका जनाधार बढ़ेगा। यह प्रवृत्ति बहुत खतरनाक रूप से बढ़ चुकी है। अब न केवल विपक्षी, बल्कि सत्ता पक्ष के नेता भी जवाबी हमले के रूप में खूब बढ़-चढ़ कर अशोभन, भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले बयान देते नजर आते हैं। जब से अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक की घेरेबंदी कर चुनावी समीकरण हल किए जाने लगे हैं, तब से ऐसे भाषणों की बाढ़-सी आ गई है। जैसे नेताओं की जुबान पर कोई लगाम ही न रह गई हो। आजम खां ने भी इसी झोंक में न सिर्फ वहां के जिलाधिकारी के खिलाफ व्यक्तिगत तल्ख टिप्पणियां की थी, बल्कि प्रधानमंत्री के खिलाफ भी जहर उगले थे। कायदे से चुनाव प्रचार के समय दिए जाने वाले नफरती और आपत्तिजनक बयानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को है, मगर वह प्रायः अपने कान में तेल डाले रहता है। अगर ऐसे बयानों के खिलाफ मुकदमा किया जाता है, तो वह लंबे समय तक अदालतों में लटका रहता और अंततः बेअसर साबित होता है। इसी का नतीजा है कि राजनेताओं का मनोबल बढ़ता गया है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे बयानों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई न करने पर पुलिस के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया।

भगवान महावीर 2550 वां निर्वाणोत्सव अहिंसा रथ का जयकारों के बीच हुआ प्रवर्तन

राज्यपाल कलराज मिश्र ने भट्टारक जी की नसियां से किया रवाना। अगले वर्ष दीपावली पर पहुंचेगा दिल्ली। प्रधानमंत्री करेंगे अगवानी

70 हजार किलोमीटर घूमेगा पूरे देश में

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्ष 2023 में भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव पूरे विश्व में विशाल स्तर पर मनाया जाएगा।इस मौके पर पूरे वर्ष विश्वभर में आयोजन होंगे।इसी कड़ी में भगवान महावीर के सिद्धांतों जीओ और जीने दो,अहिंसा,सत्य, शाकाहार, पर्यावरण संरक्षण, सहिष्णुता को जन जन तक प्रसारित करने हेतु जयपुर

के भट्टारक जी की नसियां से राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने आचार्य भगवान महावीर 2550 वां निर्वाणोत्सव अहिंसा रथ का जयकारों के बीच हुआ प्रवर्तन। राज्यपाल कलराज मिश्र ने भट्टारक जी की नसियां से किया रवाना। अगले वर्ष दीपावली पर पहुंचेगा दिल्ली। प्रधानमंत्री करेंगे अगवानी। 70हजार किलोमीटर घूमेगा पूरे देश में।

भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव पूरे विश्व में विशाल स्तर पर मनाया जाएगा। इस मौके पर पूरे वर्ष विश्वभर में आयोजन होंगे। इसी कड़ी में भगवान महावीर के सिद्धांतों जीओ और जीने दो,अहिंसा,सत्य, शाकाहार, पर्यावरण संरक्षण, सहिष्णुता को जन जन तक प्रसारित करने हेतु जयपुर के भट्टारक जी की नसियां से राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने आचार्य सुनील सागर जी महाराज, आचार्य निश्चय सागर, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भगवान महावीर 2550 वहां निर्वाणोत्सव अहिंसा रथ को जैन ध्वज दिखाकर एवं दीप प्रज्जवलन कर जयकारों के बीच रवाना किया। इससे पूर्व अहिंसा रथ प्रवर्तन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य सुनील सागर ने कहा कि वर्तमान में वर्धमान एवं उनके सिद्धांतों की महति आवश्यकता है।अगर विश्व में शांति चाहिए तो अहिंसा, शाकाहार को अपनाना होगा। आज हिन्दू, मुस्लिम, जैन,सिख बनने की नहीं अपितु अच्छा इंसान बनने की आवश्यकता है। मनुष्य दिगम्बर अवस्था में आता है और दिगम्बर ही चला जाता है।अतः धार्मिक आयोजनों के साथ मानव सेवार्थ गतिविधियां अवश्य की जानी चाहिए।गौ हत्या पर रोक लगाई जाए। संस्कारों का विकास हो, शिक्षा में परिवर्तन होना चाहिए। राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने उदबोधन में कहा कि गुरुओं एवं महापुरुषों के शब्द मंत्रों का काम करते हैं। आचार्य सुनील सागर के शब्द हमारी नकारात्मक था दूर करेंगे। भगवान महावीर के सिद्धांतों को पूरी दुनिया को अपनाने चाहिए।नर बलि,पशु बलि बंद होनी चाहिए। भगवान महावीर के सिद्धांतों जीओ और जीने दो, अहिंसा, अपरिग्रह, शाकाहार आदि का अहिंसा रथ के माध्यम से पूरे देश में लोगों को शिक्षित करेगा। व्यवहार कुशलता, चारित्रिक ढर्ढता से पूरे देश में सत्य, अहिंसा, सदाचार, शाकाहार का संदेश देगा एवं भाईचारा कायम करेगा। भट्टारक जी की नसियां में होगा। इस मौके पर श्री भगवान महावीर 2550 वां निर्वाण महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन, श्वेताम्बर जैन आचार्य लोकेश मुनि, आचार्य शैलेष,भारतीय विदेश नीति परिषद एवं भारतीय भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश वैदिक, मौलाना आजाद नेशनल ऊर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति फिरोज बख्त अहमद, जैन इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष घेवर चन्द बोहरा ने भी सम्बोधित करते हुए अहिंसा रथ के देश भ्रमण की अनुमोदना की एवं देश में शांति, अहिंसा, शाकाहार, भाईचारा बढ़ाने एवं कायम रखने में इस रथ के प्रवर्तन की महति आवश्यकता बताई। आचार्य श्री ने अहिंसा रथ प्रवर्तन शुभारंभ के लिए आशीर्वाद दिया। रथ प्रवर्तन शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र थे। अध्यक्षता श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन ने की।इस मौके पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल,मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी,देव प्रकाश खण्डाका, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा,श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोड्या,राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कोन्सिल के सदस्य डॉ निर्मल जैन, मनीष बैद, भगवान महावीर 2550वां निर्वाण महोत्सव समिति के मुख्य संयोजक अजित कासलीवाल, पत्रकार विपिन गुप्ता एवं कमल पाटनी सहित सभी धर्मों के धर्म गुरु, बड़ी संख्या में विद्वान, लेखक, विचारक उपस्थित थे। मंच संचालन शालिनी बाकलीवाल ने किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि रविवार को दोपहर 1 बजे रथ प्रवर्तन शुभारंभ हुआ

इस मौके पर सभी धर्मों के धर्म गुरु व गणमान्य लोग उपस्थित थे। डॉ मणीन्द्र जैन ने बताया कि यह रथ देश के प्रमुख शहरों, कस्बों एवं गांवों में लगभग 70हजार किलोमीटर की अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण करेगा, जिससे भगवान महावीर को ''जन जन के महावीर'' बनानें में मील का पत्थर साबित होगा। इस रथ के राष्ट्र भ्रमण के द्वारा 10करोड जैनेतर समाज में तीर्थकरों द्वारा उपदेशित जैन धर्म की जन जन का जीवन सुखमय बनाने के लिए प्रमुख बातें तथा जैन समाज के द्वारा देश और सर्व समाज के लिए किए जा रहे कार्यों के प्रति जागरूकता पैदा कर अहिंसा, शाकाहार, पर्यावरण तथा भगवान महावीर के प्रमुख सिद्धांत ''जीओ और जीने दो'' का प्रचार प्रसार देश भ्रमण के दौरान किया जाएगा। आचार्य सुनील सागर जी महाराज, आचार्य निश्चय सागर, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भगवान महावीर 2550 वहां निर्वाणोत्सव अहिंसा रथ को जैन ध्वज दिखाकर एवं दीप प्रज्जवलन कर जयकारों के बीच रवाना किया। इससे पूर्व अहिंसा रथ प्रवर्तन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य सुनील सागर ने कहा कि वर्तमान में वर्धमान एवं उनके सिद्धांतों की महति आवश्यकता है।अगर विश्व में शांति चाहिए तो अहिंसा, शाकाहार को अपनाना होगा।आज हिन्दू, मुस्लिम,जैन,सिख बनने की नहीं अपितु अच्छा इंसान बनने की आवश्यकता है। मनुष्य दिगम्बर अवस्था में आता है और दिगम्बर ही चला जाता है।अतः धार्मिक आयोजनों के साथ मानव सेवार्थ गतिविधियां अवश्य की जानी चाहिए।गौ हत्या पर रोक लगाई जाए। संस्कारों का विकास हो, शिक्षा में परिवर्तन होना चाहिए। राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने उदबोधन में कहा कि गुरुओं एवं महापुरुषों के शब्द मंत्रों का काम करते हैं। आचार्य सुनील सागर के शब्द हमारी नकारात्मक था दूर करेंगे।

भरतेश्वरमति माताजी ने कलश निष्ठापन किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन चन्द्र प्रभ जी मंदिर दुर्गापुरा, जयपुर में परम पूज्य आर्यिका 105 भरतेश्वरमति माताजी ने कलश स्थापना के कलशों का निष्ठापन किया जो श्रावक-श्राविकायें उपस्थित थीं उन्हें माताजी ने अपने हाथ से कलश सोंपें,उनमें श्रीमति लक्ष्मी भोंच, महावीर झागवाले प्रमुख थे। बडे कलशों में रिद्धिकलश को श्रावक श्रेष्ठी डां एम एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन 'मणि' के परिवार को मंदिर जी के सभी श्रावक-श्राविकाओं ,मंदिर कार्यकारिणी के सदस्यों के सम्मुख भरतेश्वरमति माताजी ने प्रदान किया। इसके बाद बडे कलश को माताजी संघ ने गाजे- बाजे के साथ मुहूर्त के अनुसार उनके निवास पर जाकर विधी विधान से कलश को समाज सदस्यों के सम्मुख स्थापित किया,बाद में माताजी का श्राविकाओं ने पादपश्रालन किया,सभी ने आरती उतारी व माताजी ने आगन्तुक श्रावकों को आशीर्वाद दिया।

ओडिसी नृत्य से साकार हुआ सबक का मंच

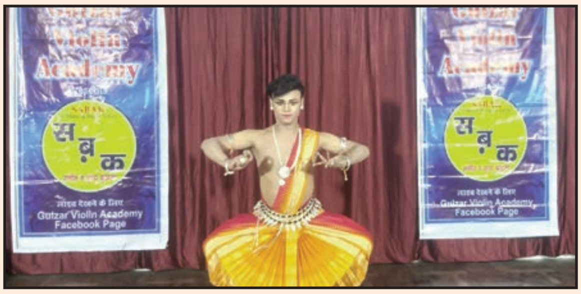

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलजार वायलिन अकेडेमी द्वारा आयोजित व ध्रुव स्कूल के संयोजन से सबक कार्यक्रम मे ओडिसी शास्त्रीय नृत्य की शानदार प्रस्तुति ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। देश के प्रसिद्ध ओडिसी शास्त्रीय नर्तक भुवनेश्वर उड़ीसा के गोकुलश्री दास ने सबक के मन्च पर सूर्याष्टक के बाद नवरस रामायण की अनेक घटनाओ को अपने नृत्य से दर्शार्या। कृष्ण राधा की छेड़ छाड़ को ओडिसी नृत्य कि अलो सजनी के द्वारा बहुत ही सुन्दर तरीके से प्रस्तुत किया। अंत मे ओडिसी नृत्य की विशेष प्रस्तुति मोक्ष के द्वारा शन्ति मंत्र की प्रस्तुति दी। गोकुलश्री के नृत्य मे सुन्दर भाव वे ओडिसी की पारंपरिक शास्त्रीयेता देखने को मिली। गुलजार वायलिन एकेडमी द्वारा गोकुलश्री दास को सुर शृंगार रत्न उपाधि से सम्मानित किया ये सम्मान डा ललित कुमार बांगा व उस्ताद इंतजार हुसैन ने दिया।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की 557 दिन की अखण्ड मौनतप साधना

भव्यातिभव्य आमंत्रण एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के मुख्य पात्रों का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन संत अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की 557 दिन की अखण्ड मौनतप साधना के महापारणा महोत्सव में भव्यातिभव्य आमंत्रण एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के मुख्य पात्रों का सम्मान समारोह रविवार को जे एल एन मार्ग पर द ग्रेंड बेंक्वट में आयोजित किया गया इस मौके पर सम्मेद शिखर जी से पूरे देश के भ्रमण पर निकले मुख्य प्रतिनिधि मण्डल एवं मुख्य पात्रों में शामिल महायज्ञ नायक पुण्यार्जक जयपुर निवासी देवेन्द्र-शैलजा जैन एवं परिवारजनों का जयपुर दिगम्बर जैन समाज की ओर से अभिनन्दन किया गया। आयोजन से जुड़े हुए गुरु भक्त विपुल छाबड़ा एवं पवन जैन ने बताया कि जैन श्रमण संस्कृति के महान साधक साधना महोदधी उभयमासोपवासी अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्न सागर जी महाराज पारसनाथ टोंक पर सम्मेद शिखर जी मधुबन में सिंहनिष्कीड़ित व्रत की 557 दिन की अखण्ड मौन साधना में लीन हैं। ''जिसका महापारणा 28 जनवरी 2023को होना है'' जिस हेतु एक भव्यातिभव्य महामहोत्सव का आयोजन दिनांक 27 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक किया जाना है' आयोजन से जुड़े हुए नीलेश सोनी ने बताया कि इस महामहोत्सव में जयपुर के सभी समाज जन को आमंत्रित और निमंत्रित करने हेतु अंतर्मना गुरुदेव के कल्याणकारी आशीर्वाद के साथ सभी गुरू आज्ञानुवर्ती सभी साधर्मी भाइयों के बीच, रविवार, दिनांक 30.10.22 को जयपुर महानगर में पधारे। इस मौके पर 30 अक्टूबर रविवार को प्रातः 10.00 बजे से द ग्रांड बेंक्वट, F-5, एस एल मार्ग, जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया ।इस मौके पर भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी मुम्बई के अध्यक्ष शिखर चन्द पहाड़ियां, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', मुख्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश गोधा, युवा समाजसेवी विनय सोगानी, गायत्री नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष कैलाश चन्द छाबड़ा, अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, जनकपुरी जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम बिलाला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी एवं जैन बन्धु उपस्थित थे। इससे पूर्व भट्टारक जी की नसिया में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ को आयोजन समिति एवं मुख्य पात्रों तथा मुख्य प्रतिनिधि मण्डल की ओर से श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। सांयकाल 6:15 से श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-10, मालवीय नगर (मंदिर समिति एवं बोहरा परिवार के द्वारा) मुख्य पात्रों तथा मुख्य प्रतिनिधि मण्डल का आयोजित शानदार अभिनन्दन समारोह में मालवीय नगर समाज की ओर से उत्तम कुमार पाण्डया,हरक चन्द लुहाड़िया, रामपाल जैन के नेतृत्व में अभिनन्दन किया गया।

निवेदक
महापारणा महाप्रतिष्ठा महोत्सव समिति, सम्मेदशिखर
समस्त अन्तर्मना गुरुभक्त, जयपुर

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती 31 अक्टूबर पर विशेष

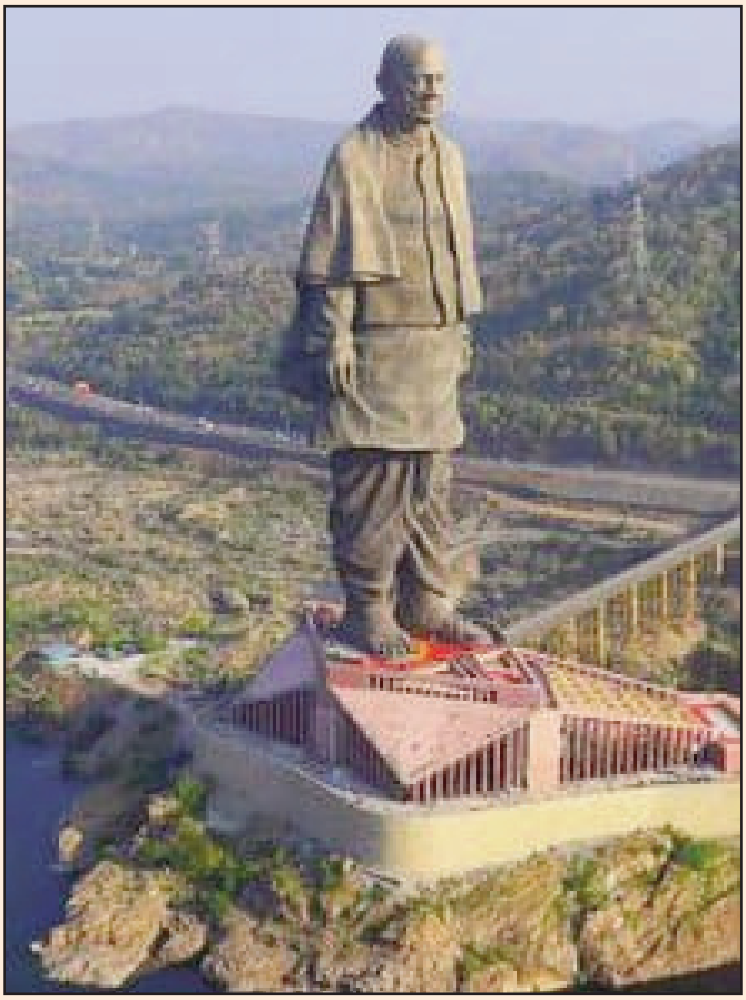

एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रणेता लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई

'सरदार' की उपाधि

बारडोली के किसान आन्दोलन का सफल नेतृत्व करने के कारण गांधी जी ने इन्हें 'सरदार' कहा। फिर तो यह उपाधि उनके साथ ही जुड़ गयी। सरदार पटेल स्पष्ट एवं निर्भीक वक्ता थे। यदि वे कभी गांधी जी से असहमत होते,तो उसे भी साफ कह देते थे। वे कई बार जेल गये। सन् 1942 के 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में उन्हें तीन वर्ष की सजा हुई।

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

(राष्ट्रीय एकता, अखंडता और अस्मिता के रक्षक लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई)

सरदार पटेल ने जिस तरह से हमारे देश को एकता के सूत्र में बांधा था हमें उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए कार्य करना होगा तथा सच्ची निष्ठा से समाज सेवा करनी होगी तभी हम उनके बताए गए मार्ग पर चलने के योग्य होंगे। 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजों ने भारत को स्वाधीन तो कर दिया था परंतु जाते हुए वे गृहयुद्ध एवं अव्यवस्था के बीज भी बो गये। बल्लभ भाई पटेल ने जिस भावना से 565 रियासतों को अखंड भारत में शामिल किया, यह संसार का सबसे पहला बिना तलवार के किया गया था। इस विलय के साथ ही इस देश को एक सूत्र में बांधकर आज का अखंड भारत बना है। आज गुवाहाटी से चौपाटी और कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक सूत्र में बंधा हुआ भारतवर्ष है। उसमें हमें सरदार बल्लभ भाई पटेल की आत्मा दिखाई देती है।

सूझबूझ के धनी

बल्लभभाई पटेल का जन्म 31अक्तूबर 1875 को हुआ था। इनके पिता श्री झबेरभाई पटेल ग्राम करमसद (गुजरात) के निवासी थे। जन्मजात परम देशभक्त और निर्भीक अंदर से करुण और बाहर से कठोर, उद्देश्य प्राप्ति के लिए अटल, मूल्यवान राजनीतिक और दूरदर्शी, दुश्मन की सही पहचान करने वाले, विचारों में दृढ़ और लगन में पक्के, जोखिमों से न घबराने वाले, सूझबूझ के धनी थे जननायक सरदार पटेल। आज की परिस्थितियों में लौहपुरुष की परम आवश्यकता महसूस की जा रही है।

उपप्रधानमन्त्री तथा गृहमन्त्री

स्वतन्त्रता के बाद उन्हें उपप्रधानमन्त्री तथा गृहमन्त्री बनाया गया। उन्होंने केन्द्रीय सरकारी पदों पर अभारतीयों की नियुक्ति रोक दी। रेडियो तथा सूचना विभाग का उन्होंने कायाकल्प कर डाला। गृहमन्त्री होने के नाते रजवाड़ों के भारत में विलय का विषय उनके पास था। सभी रियासतें स्वेच्छा से भारत में विलीन हो गयीं। परंतु जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद ने टेढ़ा रुख दिखाया। सरदार की प्रेरणा से जूनागढ़ में जन विद्रोह हुआ और वह भारत में मिल गयी। हैदराबाद पर पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया गया।15 दिसम्बर, 1950 को भारत के इस महान सपूत का देहान्त हो गया।

ऐसे बने लौह पुरुष

एक बार उनकी आंख के बगल में फोड़ा निकल आया।उन्होंने उस समय अपने घर पर ही इलाज किया।उन दिनों गाँवों में इसके लिए लोहे की सलाख को लालकर उससे फोड़े को दाग दिया जाता था।लुहार ने सलाख को भट्ठी में रखकर गरम तो कर लिया।परंतु बल्लभभाई जैसे छोटे बालक को दागने की उसकी हिम्मत नहीं पड़ी। इस पर बल्लभभाई ने सलाख अपने हाथ में लेकर उसे फोड़े में लगा दिया। खून और मवाद देखकर पास बैठे लोग चीख पड़ेपर बल्लभभाई ने मुँह से उफ तक नहीं निकाली।

स्वदेशी रंग में रंग गये

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता व अखंडता के प्रतीक हैं। साधारण परिवार होने के कारण बल्लभभाई की शिक्षा निजी प्रयास से कष्टों के बीच पूरी हुई। अपने जिले में वकालत के दौरान अपनी बुद्धिमत्ता, प्रत्युत्पन्नमति तथा परिश्रम के कारण वे बहुत प्रसिद्ध हो गये। इससे उन्हें धन भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त हुआ। इससे पहले उनके बड़े भाई विट्ठलभाई ने और फिर बल्लभभाई ने इंग्लैण्ड जाकर बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन् 1926 में बल्लभभाई की भेंट गांधी जी से हुई और फिर वे भी स्वाधीनता आन्दोलन में कूद पड़े। उन्होंने बैरिस्टर वाली अंग्रेजी वेशभूषा त्याग दी और स्वदेशी रंग में रंग गये।

अद्वितीय है स्टैच्यू आफ लिवर्टी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के प्रथम उप प्रधानमन्त्री तथा प्रथम गृहमन्त्री वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक स्मारक है,जो गुजरात में स्थित है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर इस विशालकाय मूर्ति के निर्माण का शिलान्यास किया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधू बेट नामक स्थान पर है जो कि नर्मदा नदी पर एक टापू है। यह स्थान भारतीय राज्य गुजरात के भरुच के निकट नर्मदा जिले में स्थित है। यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, जिसकी लम्बाई 182 मीटर (597 फीट) है। इसके बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची मूर्ति चीन में स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध है, जिसकी आधार के साथ कुल ऊंचाई 153 मीटर (502 फीट) हैं। इसका उदघाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर किया गया था। यह अद्वितीय प्रतिमा सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। आज

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

सरदार बल्लभ भाई पटेल के विचार बहुत अधिक प्रासङ्गिक और महत्वपूर्ण हैं। वे राष्ट्रीय एकता, अखंडता और अस्मिता के रक्षक 'लौह पुरुष' थे। राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भारत सरकार उनकी जयंती मना रही है। सशक्त, सुदृढ़ और समृद्ध भारत की नींव रखने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनके जन्म दिवस पर शत-शत नमन। उनके दिखाए मार्ग हमें देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सदा प्रेरित करते रहेंगे।

★★★

आर्यिकारत्न चिन्मयमति माताजी एवं क्षुल्लिका चेतनमति माताजी का पिछी परिवर्तन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिकारत्न चिन्मयमति माताजी एवं क्षुल्लिका चेतनमति माताजी का भव्य पिछी परिवर्तन समारोह उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर चिन्मयमति माताजी ने धर्म देशना में कहा कि चातुर्मास के दौरान समाज के श्रावक- श्राविकाओ ने धर्म के कार्यक्रमों से जुड़े रहे एवं भक्ति आराधना में अपना पूरा समय दिया , जो सराहनीय है। पीछि परिवर्तन प्रभावना की दृष्टि से किया जाता है। पिछीसंयम का उपकरण होता है। पीछि की कोमलता, मधुता मार्जन करने के लिए किया जाता है। जिन्हें पुरानी पिछी दी जाती है उन्हें नियम संयम की पालना की जिम्मेदारी पूर्वक निभाया जाता है। सम्यक मजबूत होता है। भाव से बन्धता है। चारित्र रत्न का प्रतीक है। पिछी में 12 घिटिया होती है जो 12 भाव का चिंतन करता है। माताजी ने कहा कि कमंडल सोच का उपकरण होता है। लेकिन उसके जल को मंत्रों द्वारा असाध्य रोग बीमारी को दूर करता है। इसमें तपस्या का प्रभाव होता है। जिनवाणी ज्ञान का उपकरण होता है। इस दौरान दिनेश कुमार जैन, राकेश लुहाडिया, मधु जैन, इंदिरा झाझरी, उषा पाटोदी, रेखा सोगानी, मोनिका, दर्शना पहाड़िया, पारस देवी झाझरी ने नई पिछी माताजी को प्रदान की।

रोटरी इंटरनेशनल की उदिता क्रिकेट लीग में नॉर्थ ने जीता अपना मैच

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी इंटरनेशनल की उदिता क्रिकेट लीग में जयपुरिया क्रिकेट अकेडमी में रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के नाइटराइडर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रोटरी क्लब राउंड टाउन को 10 विकेट से हराकर पहले मैच में शानदार जीत हासिल की। नवीन काला ने मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। नार्थ के सचिव अनिल जैन ने बताया की रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के सभी प्लेयर्स को बहुत-बहुत बधाइयां और शुभकामनाएं दी।

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा ग्रुप सदस्यो के लिए दीपावली मिलन कार्यक्रम दिनांक 30 अक्टूबर 2022 रविवार को आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने बताया कि ग्रुप का यह कार्यक्रम ई पी के सिनेमाघर में रामसेतु पिक्चर व ब्ल्यू प्लूटो रेस्टोरेंट में सहभोज के साथ आयोजित किया गया । ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज के अनुसार ग्रुप सदस्य गण प्रातः 9 बजे ई पी के प्रांगण मे एकत्रित हुए सभी ने नाश्ता किया व अपना टिकट प्राप्त कर स्क्रिन 1 मे पिक्चर देखी। पिक्चर के बाद ग्रुप की साधारण सभा आयोजित की जिसमे ग्रुप द्वाराआयोजित किये जा रहे प्रोग्राम के बारे मे बताया व इस वर्ष में आगे किए जाने वाले प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे मे जानकारी दी गई। ग्रुप सचिव अरूण पाटनी ने बताया कि मीटिंग के बाद आकर्षक गेम्स व हाऊजी खिलाया व सभी ने स्वादिष्ट व लजीज भोजन का आनंद लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन आज से

प्रातः 8 बजे से कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम की होगी शुरूआत

शाबास इंडिया. शाबाश इंडिया।

भैंसलाना। अर्पित जैन |कस्बे के जाल वाले बालाजी मंदिर प्रांगण में सोमवार को श्रीमद भागवत महापुराण कथा ज्ञान महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन शुरू होगा। कार्यक्रम में सोमवार प्रात 8 बजे कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय कथा शुरू होगी। कथावाचक आचार्य श्री पंकज भास्कर महाराज के सानिध्य में कथा व मूल पाठ का आयोजन किया जाएगा।आयोजक बजरंगलाल नवहाल ने बताया कि सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन आज कलश यात्रा से शुरू होगा। कथा का वाचन आचार्य पंकज भास्कर महाराज के श्रीमुख से किया जाएगा वही आयोजकों द्वारा सभी ग्रामवासियों से अधिक से अधिक संख्या में धर्म लाभ लेने का निवेदन भी किया है।

जीवन को व्यवस्थित करना अनिवार्य है तब ही आप सफल होंगे : सोम्यमति माताजी

सिद्धचक्र महा मंडल विधान में हुई रिद्धि मंत्रों की आराधना

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जिला मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर पिपरई में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ने कहा कि जीवन को व्यवस्थित करना चाहिए दिनचर्या व्यवस्थित होगी तो दिन भी अच्छा जायेगा और सफलता आपकों मिलती रहेंगी। हम रोज मर्रा के कार्यों को करते हुए भी अपने जीवन को व्यवस्थित बना सकते हैं इसलिए अतिरिक्त कुछ नहीं करना बस अपनी आदतों को थोड़ा परिवर्तित करते हुए ध्यान रखना हैं हमारे लिए अच्छा किसमें है थोड़ी सी सावधानी है आपके जिंदगी को खुशीयों से भर देंगी उक्त आश्य के उद्गार श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ को संबोधित करते हुए संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ने व्यक्त किए ।

यादगार बन गया पिपरई चातुर्मास

इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई, मंत्री प्रदीप जैन रानी, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, संरक्षण शैलेन्द्र दददा, शुक्रवार मंडल के विकास कुमार, संजीव जैन सहित अन्य भक्तों ने माताजी को श्री फल भेंट किए ।इस दौरान कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि पिपरई जैन समाज द्वारा परम पूज्य के आशीर्वाद से भव्य श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान हो रहा है।ये चातुर्मास सभी को हमेशा याद रहेगा।

अशोक गोठरवाल सर्वसम्मति से दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित

रा.प्रां. श्री नामदेव छीपा समाज महासभा समिति के चुनाव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रांतीय श्री नामदेव छीपा समाज महासभा समिति सांगानेर की साधारण आमसभा और प्रांतीय चुनाव रविवार को डिग्गी मालपुरा रोड, सायपुरा स्थित वृंदावन गार्डन में सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी बाबूलाल तोणगरिया ने बताया कि महासभा की आम सभा मे अशोक गोठरवाल को दूसरी बार पांच साल के लिए सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने बताया कि चुनाव में पूरे राजस्थान से 15 सौ पुरुष और महिलाओं ने भाग लिया जिनमें प्रदेश के सभी जिलों के अध्यक्ष, महामंत्री और सदस्य शामिल थे। समिति के पूर्व प्रांतीय मंत्री चन्द्रदीप मेडतवाल और रामस्वरूप खंडेलवाल ने बताया कि समिति की प्रांतीय सभा में करीब 2150 सदस्य हैं और समाज की यह समिति 1994 से संचालित है।

क्रोध व अभिमान के पैर से नहीं ढंकना चाहिए क्षमा व विनम्रता का गुण:समकितमुनिजी

बड़ों की अनदेखी करने पर जीवन में कभी नहीं मिल सकती सफलता

शांतिभवन में पांच दिवसीय प्रवचन माला जुग-जुग जियो का चौथा दिन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हम कई बार क्रोध के पैर से क्षमा को ढंक देते है। क्रोध का पैर अंगद के पैर के समान है जिसे कोई हिला नहीं सकता। क्षमा के गुण को क्रोध के पैर से नहीं ढंकना चाहिए। अभिमान का पांव जैसे ही पड़ेगा वह हमारी विनम्रता को ढंक देगा। सावधानीपूर्वक गमन करना सीख लिया तो बाहरी विराधना से बच जाएंगे। इंसान चाहे तो पशुओं से भी बहुत कुछ सीख सकता है। अभिमान के पाप से विनम्रता का गुण ढंकते ही जो उपलब्धि हमे हासिल होनी चाहिए उससे भी वंचित हो जाते है। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में रविवार को पांच दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के चौथे दिन व्यक्त किए। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया जा रहा है कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। मुनिश्री ने महारथी कर्ण के तथ्य छुपा मुनि परशुराम से ज्ञान अर्जित करने का उदाहरण देते हुए कहा कि कोई भी चीज या बात छुपानी नहीं चाहिए अन्यथा छुपाकर सीखा हुआ जरूरत पड़ने पर काम नहीं आता या भूल जाते है। उपकारी के उपकार को हमेशा याद रखे और कभी छुपाए नहीं। जिस दिन उपकारी के उपकार पर मिट्टी डालेंगे तो गुरू से मिले आशीर्वाद व वरदान भी फेल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद मिलना कठिन है और मिलने के बाद उस पर राख डाल देना सबसे बड़ी बेवकूफी है। जिसके अनुसार चलना चाहिए उसके अनुसार नहीं चलकर अपने हिसाब से चलने लगते वह समय आने पर कब चलते बनते है पता ही नहीं चलता है। बड़ो को साइड में करने पर कभी सफलता नहीं मिल सकती। कई बार श्रावक की सूझबूझ भी भटके हुए को राह पर ला सकती है। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायन कुशल जयवंतमुनिजी का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में पूना श्रीसंघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ विभिन्न स्थानों से आए श्रावकगण मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ एवं चातुर्मास संयोजक नवरतनमल बम्ब ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

सुश्राविका रेखा मेहता ने लिए 70 उपवास का प्रत्याख्यान

धर्मसभा में उस समय हर्ष-हर्ष, जय-जय के उद्घोष से गूंज उठी जब पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने श्याम विहार निवासी सुश्राविका रेखा मेहता को 70 उपवास का प्रत्याख्यान कराया। सुश्राविका की तपस्या की श्रीसंघ की ओर से भी अनुमोदना की गई। तपस्वी के परिवार की ओर से तप की अनुमोदना के लिए धर्मसभा समाप्ति के बाद शांतिभवन में चौबीसी का भी आयोजन किया गया।

सामायिक आराधना करने वाले भाग्यशाली विजेताओं को उपहार

शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से चातुर्मास में 5 लाख 25 हजार से अधिक सामायिक आराधना पूर्ण होने पर सामायिक साधना करने वाले श्रावक-श्राविकाओं में से ड्रॉ निकाल गए चुने गए भाग्यशाली एक विजेता श्राविका पुष्पा बापना को स्वर्ण सिक्का प्रदान किया गया। स्वर्ण सिक्का श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने प्रदान किया। इसी तरह 108 भाग्यशाली विजेता श्रावक-श्राविकाओं को चांदी के सिक्के उपहार में प्रदान किए गए। भाग्यशाली सामायिक विजेताओं की सूची भी शांतिभवन में चस्पा की गई है।

कौन बनेगा मोक्षपति के विजेता पुरस्कृत

श्री शांति जैन महिला मंडल की ओर से प्रत्याख्यान की पालना पर आधारित प्रतियोगिता कौन बनेगा मोक्षपति के विजेता लक्की ड्रॉ से चुने गए। महिला मंडल की मंत्री सरिता पोखरना ने बताया कि लक्की ड्रॉ के आधार पर प्रथम अनिता संचेती, द्वितीय कमला चौधरी फूलियाकलां वाले एवं तृतीय प्रमिला कोचिटा को चुना गया। विजेताओं को पुरस्कार देने के साथ अन्य सभी प्रतिभागियों को मंडल की ओर से सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर महिला मंडल संरक्षक इन्द्रा बापना, पद्मा दरड़ा, अध्यक्ष स्नेहलता चौधरी, मार्गदर्शिका सुनीता पीपाड़ा, सरोज गोलेच्छा, बसंता डांगी, मधु मेड़तवाल आदि भी मौजूद थे।

उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित लिखित परीक्षा का आयोजन

नियमित प्रवचन सम्पन्न होने पर शांतिभवन में रविवार को 27 दिवसीय उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना पर आधारित लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कई श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। परीक्षा की व्यवस्थाओं में श्री शांति जैन महिला मंडल की पदाधिकारियों ने सहयोग प्रदान किया। परीक्षा का परिणाम घोषित होने पर विजेताओं का सम्मान किया जाएगा।

अष्टान्हिका महापर्व: शाही ठाठबाट एवं गाजेबाजे के साथ निकाली रथयात्रा

निवाई. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ससंध के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में 30 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक आयोजित होने वाले श्री सिद्ध चक्र मण्डल विधान के तहत जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा श्री जी की रथयात्रा गाजेबाजे के द्वारा शाही ठाठबाट के साथ शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सम्पूर्ण जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि रविवार को जैन समाज के तत्वावधान में नवदिवसीय सिद्ध चक्र मण्डल विधान को लेकर शाही ठाठबाट एवं जयघोष के साथ शोभायात्रा निकाली गई जिसमें श्री जी की भव्य रथयात्रा ऐरावत हाथियों पर सुसज्जित इन्द्र इन्द्राणियां घोड़े बेंड बाजे महिला जयघोष बग्गियों पर विराजमान ध्वजारोहणकर्ता एवं महिला मण्डल युवा मण्डल बालिका मण्डल के साथ लवाजमा सहित समाज के स्त्री पुरूष नाचते गाते हुए जुलूस में चल रहे थे। जौंला ने बताया कि शोभायात्रा का जुलूस श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर से बेन्डबाजो के साथ रवाना होकर झिलाय रोड, अहिंसा सर्किल, बस स्टैंड, बड़ा बाजार, सब्जी मंडी, बिलाला चोक, चोहट्टी बाजार, गणगौरी बाजार, राधादामोदर सर्किल टोंक रोड होते हुए अग्रवाल मंदिर पंहुचा।